an>

Title: Need to review the new guidelines issued by UPSC for OBC reservation.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया , यह एक अति महत्वपूर्ण, अत्यंत संवेदनशील और राÂष्ट्र को झकझोरने वाला सवाल है। ओ.बी.सी. आरक्षण में क्रीमी लेयर का सहारा लेकर यू.पी.एस.सी. में पिछड़े वर्ग के छात्रों के भविÂष्य के साथ अन्याय किया जा रहा है। बड़े साजिश के तहत, सेट एजेंडा के तहत ओ.बी.सी. के आरक्षण को समाप्त करने की घनघोर साजिश इस देश में हो रही है। देश में एक बार फिर बवेला मचेगा, ज्वालामुखी फूटेगी, स्कूल-कॉलेज बंद होंगे, किसान-मज़दूर सड़क पर आएंगे। स्थिति बद से बदतर है। बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर साहब ने संविधान दिया। उन्होंने पिछड़ों के लिए, दलितों के लिए, अक़लियत के लिए, एस.सी./एस.टी. के लिए, सबके लिए कानून बनाया। मंडल कमीशन आया। मंडल कमीशन के तहत आरक्षण मिला।...(व्यवधान) आज जो आरक्षण है, उस पर करारा प्रहार हो रहा है।

अध्यक्ष महोदया, मुझे सुन लिया जाए।...(व्यवधान) यू.पी.एस.सी. की सिविल सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट आया।...(व्यवधान) 1078 अभ्यर्थी आए। उसमें 314 ओ.बी.सी. के छात्र आए। ओ.बी.सी. के 314 छात्रों का गला घोंट दिया गया, समाप्त कर दिया गया। रिजल्ट आने के बाद कहा कि आप नियम में आ सकते हैं, लेकिन आपको यू.पी.एस.सी. में आई.ए.एस., आई.पी.एस. नहीं बनने दिया जाएगा। कहां जाएगा गरीब? कहां जाएगा किसान? कहां जाएगा मज़दूर? कहां जाएंगे मेहनतकश छात्र?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब हो गया न?

श्री जय प्रकाश नारायण यादव: अध्यक्ष महोदया, सारा सदन इस पर एकमत है कि यह फैसला दलित विरोधी है, अल्पसंख्यक विरोधी है, पिछड़ा विरोधी है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब हो गया। अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री राजेश रंजन, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री राहुल कस्वां, श्री देवजी एम. पटेल एवं श्री हरीश मीना को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) : जय प्रकाश भाई, आप बैठ जाइए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, जो बात जय प्रकाश जी ने उठाई, पिछले पूरे हफ़्ते मैंने इसके लिए लगातार नोटिस दिया।...(व्यवधान) दुर्भाग्य से, मुझे ज़ीरो आवर में बोलने का मौका नहीं मिला।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, एक बार नहीं, कई बार, कई मौके पर आपके समक्ष इस सदन में हमने पहले भी कहा कि क्रीमी लेयर का जो माध्यम है, वह पिछड़ों का गला घोंटने का एक हथियार है। इस क्रीमी लेयर को पूरी तरह से खत्म होना चाहिए।

अध्यक्ष जी, हमारी बात उस समय नहीं सुनी गयी। आज जो यू.पी.एस.सी. की रिजल्ट के बारे में, जिसके बारे में जय प्रकाश जी ने चर्चा की, उसे हम दुहराएंगे नहीं। लेकिन यू.पी.एस.सी. के रिजल्ट होने के बाद, डी.ओ.पी.टी., जो प्रधान मंत्री के अंडर में आता है, उस विभाग ने जिस तरह से क्रीमी लेयर का इंटरप्रेटेशन किया, मैं कह सकता हूं कि तकरीबन साठ फीसदी जो देश के पिछड़े हैं, उन पिछड़ों के साथ कांग्रेस ने भी पहले गलत किया और बी.जे.पी. उससे ज्यादा गलत कर रही है।...(व्यवधान) यह बी.जे.पी. पिछड़ों के लिए गलत कर रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, माननीय नेता जी बोलेंगे, मैं बैठ रहा हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री राजेश रंजन को श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्षा जी, जय प्रकाश नारायण यादव जी और धर्मेन्द्र यादव जी जो कह रहे हैं, यह सरासर सच्चाई से दूर है।...(व्यवधान) ऐसा कुछ नहीं है।...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव: अध्यक्ष जी, नेता जी बोलने के लिए खड़े हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Everybody will not speak.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ज्योतिरादित्य जी, प्लीज़ बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार : ओ.बी.सी. के लिए जो आरक्षण है, यू.पी.एस.सी. में जो आरक्षण है, उसके लिए भारतीय जनता पार्टी और एन.डी.ए. की सरकार कटिबद्ध है।...(व्यवधान) हम कोई परिवर्तन लेकर नहीं आए हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, आप लोग बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*) *â€¦* *

HON. SPEAKER: It will not happen like this. Now, you will have to listen.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : नेता जी, हो गया। बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार : मैडम, जैसा जय प्रकाश नारायण यादव जी और धर्मेन्द्र यादव जी ने यहां चित्र खड़ा किया, वह सच्चाई से बहुत दूर है।...(व्यवधान) भारतीय जनता पार्टी और नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार पूरी तरह से ओ.बी.सी. के आरक्षण के लिए कटिबद्ध है।...(व्यवधान) इसने कतई कोई गलत नहीं किया है।...(व्यवधान) वर्ष 2004 से यू.पी.ए. सरकार के काल से क्रीमी लेयर के जो नियम चले आ रहे हैं, वही नियम आगे बढ़ रहे हैं।...(व्यवधान)

ओबीसी के पक्ष में यदि किसी सरकार ने सब कुछ किया है तो वह नरेन्द्र भाई मोदी जी की सरकार ने दिया है। ...(व्यवधान) जो दोनों सदस्य कह रहे हैं, अभी यूपीएससी के तहत हम सूचना भेज रहे हैं। वह सूचना आज के दिन में नहीं भेज रहे हैं। यह सूचना वर्ष 2004 में, 2005 में, 2006 में हर साल यह सूचना भेज चुके हैं। ...(व्यवधान) आज के दिन में ओबीसी की क्रीमी लेयर के बारे में जो नियमावली है उसको ही हम आगे बढ़ा रहे हैं। ...(व्यवधान) इसमें यदि कोई परिवर्तन फार्मूला के तहत होगा, तो वह परिवर्तन करने के लिए मोदी सरकार तैयार है, यह भी हम कहना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए।

...(*Interruptions*)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, मैं सदन को जानकारी देना चाहता हूं कि इस बार जो यूपीएससी के सिलेक्टेड केंडीडेट्स हैं जो उनको नोटिस दी गई है, यह नोटिस वर्ष 2004 से लगातार दी जाती रही है। उसमें ऐसा नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव: मंत्री जी, आप सदन को गुमराह कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : वह जानकारी इसलिए मांगी जाती है, ताकि ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अरे सुनिए तो सही।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : इसलिए जानकारी मांगी जाती है कि आप क्रीमी लेयर के अंतर्गत आते हैं या नहीं आते हैं, ताकि भविष्य में दूसरे केंडीडेट्स कोर्ट में न चले जाएं और मामला लिटिगेशन में न फंस जाए, इसलिए केवल जानकारी मांगी जाती है, इसके अतिरिक्त और कुछ नहीं हुआ। ...(व्यवधान) यह पॉलिसी डिसीजन है। ...(व्यवधान) ओबीसी के केंडीडेट्स को किसी भी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंचने पाएगी। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत।

â€¦(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : गुमराह कर रहे हैं, गुमराह कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बैठिए। अब नहीं। हो गया।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What do you want to say?

...(*Interruptions*)

DR. BOORA NARSAIAH GOUD (BHONGIR): I just want to say a few words on this issue. I do not want to make it a political issue.

Shri Rajnath Singh and Shri Ananthkumar have also made their responded to it. Since 1993 onwards, there are two sets of creamy layers. One is for the employees, which is cadre-based creamy layer. The other one is for non-employees like doctor, architect and professors, which is income-based. IAS officers, those holding constitutional posts, etc. are not eligible for creamy layers. We agree with it. Fourth Class employees, gangman, manual workers are also not eligible according to the new guidelines. This was never implemented. This is what I want to bring it to the notice. We have told this to the DoPT Minister; we have told this to the Secretary, DoPT that this is never implemented and unjustifiable.

After the recent Pay Commission Report, no single OBC employee's children is going to be eligible for the post, if new guidelines are implemented. What we are requesting is - whatever constitutional rights have been given, do not deny them to OBC. Otherwise, it would become a big issue. We do not want the Government to get a bad name. Because of one official, this is happening. We went with all the records to prove our point. Because of one official, the entire NDA Government is getting the bad name. I am not saying that Modi *ji* is against OBC. The Government would get the bad name. This is my request. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सेम इश्यू आपने भी उठाया, उन्होंने भी उठाया। ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी कितने लोग खड़े हैं? एक ही इश्यू पर बात है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : धर्मेन्द्र जी ऐसा नहीं होता है। यह डिस्कशन शुरू हो जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, जो माननीय सदस्य ने अभी प्रश्न खड़ा किया है, इस संबंध में इतना ही कहना चाहता हूं कि ऐसा कुछ नहीं है, जहां तक मेरी जानकारी है, लेकिन फिर भी यदि माननीय सदस्य ने इस प्रश्न को खड़ा किया है तो मैं इसे एग्जामिन करा लूंगा और यह भी सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि पिछड़े वर्ग को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचने दी जाएगी। मैं यह सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The hon. Minister has explained the position very nicely. This is not the way. We will see to it.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : चिल्लाने से क्या होता है? आपने भी वही बोल दिया। He has explained it.

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : हम इसके लिए सपोर्ट कर रहे हैं। We are with this cause. लेकिन एक बात याद रखना, You also know it. It is the Congress Party - in 1993 – and Shri Arjun Singh himself moved this G.O. and fixed this criteria. Now, you are telling that the Congress is also doing it. ...(*Interruptions*)

No, that is not true. ...(*Interruptions*) How can you say like that? ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : हो गया। आपका भी रिकार्ड में गया।

â€¦(व्यवधान)